SRIRANGAM SRIMAD ANDAVAN ASHRAMAM

श्री देशिक स्तोत्र माला

श्री अच्चुअ सअअम्

कवितार्किककेसरी श्री वेदान्त देशिकन्

Anugraham, Kataksham and Shrimukham

Pitadhipathi Srimad Sri Varaha Maha Desikan

---

legend: standard, color codes for languages that require phonic delineation

k kh g gh

© document generated using TT28 Publisher @ www.aradhanam.org

श्री अच्युत शतकम्

🙏 श्रीः 🙏

श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी ।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि ।।

आर्याः छन्दः

सिरि वेङ्कड णाहज्जो
कइतक्किअ सीह सव्वतन्त सतन्तो ।
वेअन्तारिअवज्जो
मह सण्णिज्झेउ सइ सअं हिअ अम्मि ।।

णमह तिअसाण णाहं
सच्चं दासाण अच्चुअं ठिरजोइम् ।
गलुल णइ तड तमाळं
अहिन्द णअरो सहाअलेक्क गइन्दम् ।। [००२.०००१] [०००३०]

किङ्कर सच्च थुई तुह
सअंभु गेहिणि विलास वाहित्त मई ।
फणिआ बाळेण मए
पञ्जर सुअ जप्पिअं व कुणउ पसाअम् ।। [००२.०००२] [०००३१]

मइलं वि भासिअं मह
किङ्कर सच्च तुह कित्ति जोण्हा पसरे ।
लग्गं लहउ विसुद्धिं
रच्छा सलिलं व तिवहआ सोत्त गअम् ।। [००२.०००३] [०००३२]

तत्थरि णएण ठविआ
सोहउ तिअसाण णाह तुज्झ समाए ।
वन्दित्तण महिआणं
मज्झम्मि सुईण बालिसा मज्झ थुई ।। [००२.०००४] [०००३३]

अम्ह गुरूणं अच्चुअ
जीहा सीहासणम्मि लद्ध पइट्ठो ।
पडिवाइअ परमट्ठो
वारेसि अपण्डिअत्तणं अम्हाणम् ।। [००२.०००५] [०००३४]

हिअएसु देसिआणं
जण्हइ लहरीसु पुण्णचन्दोव्व फुडो ।
कलुस जलेसु व हंसो
कसाअ कबुरेसु ठासि अच्चुअ ण खणम् ।। [००२.०००६] [०००३५]

आअम मेत्त पमाणो
आगोविअणं पआस णिअ माहप्पो ।
सद्दहिअ हिअअ सुलहो
दूरं मुअसि णअसच्च डोलाअन्ते ।। [००२.०००७] [०००३६]

सइ खविअ सअल हेअं
सरणागअ सच्च सच्च णाणाणन्दम् ।
उल्लङ्घिअ तिविहन्तं
उवणिसआणं सआइ गाअन्ति तुमम् ।। [००२.०००८] [०००३७]

कुणसि ण कीरसि केण वि
ठावेसि ण संठविज्जसि अणण्ण ठिओ ।
हरसि णिहिलं ण हीरसि
अहिन्द णअरिन्द अणह जोइ फुरन्तो ।। [००२.०००९] [०००३८]

अणु पमिअस्स वि अच्चुअ
सत्ती तुह सअल धारणाइ वहुत्ता ।
तेण पडिवत्थु पुण्णो
सुव्वसि अपडिहअ णिअ ठिई सव्वगओ ।। [००२.००१०] [०००३९]

सअलाण धरण णिअमण -
सामित्तण णिअम संठिओ सव्व तणू ।
सुव्वसि अच्चुअ सव्वो
सअ दंसिअ कज्ज कारणत्तण कबुरो ।। [००२.००११] [०००४०]

पुरिस पहाण सरीरो
भुवणाणं होसि अच्चुअ उवाआणम् ।
णिअ संकप्प सणाहो
वहसि णिमित्तत्तणं वि अब्भुअ सत्ती ।। [००२.००१२] [०००४१]

विसम गुणङ्कुर पअरे
जलं व सामण्ण कारणं तुह केळी ।
णिअ कम्म सत्ति णिअआ
अच्चुअ बम्हाइ ठावरन्त विसेसा ।। [००२.००१३] [०००४२]

पुरिसा तुज्झ विहूई
अच्चुअ लच्छीअ इत्थिआ सण्णाओ ।
णत्थि परं तुज्झाणं
सा वि सिरी होइ तुज्झ किं उण इअरम् ।। [००२.००१४] [०००४३]

ण हु तुह सरिसब्भहिआ
णाह तुमं एव्व सव्वलोअ सरण्णो ।
एआव णाण सारं
इअ मुणिउं तिअसणाह इअर विइन्ता ।। [००२.००१५] [०००४४]

भाई फणिन्द उराहिव
पडिवालेन्तेसु पाअड वहुत्त फला ।
अवि दुहिणप्पमुहेहिं
आणत्ती तुह अलङ्घणिज्ज पहावा ।। [००२.००१६] [०००४५]

णिअम विहीण पउत्ती
सव्वाण वि दाससच्च उद्दिसिअ तुमम् ।
सद्ध णिमन्तिअ बम्हण -
समाहि सिद्धम् लहन्ति तिअसा भुत्तिम् ।। [००२.००१७] [०००४६]

आरज्झ तिअस विलए
अच्चुअ णिच्चं ण ठासि जइ णाम तुमम् ।
कम्माण कप्पिआणं
काहीइ कप्पन्तरेसु को णिव्वेसम् ।। [००२.००१८] [०००४७]

कप्पेसि कंखिआइं
कप्पदुमोव्व सिरि कञ्चण लआ सहिओ ।
णअसच्च सइ फलाइं
णिअछाहि णिहिण्ण णिच्चताव तिहुवणो ।। [००२.००१९] [०००४८]

सअलाअमाण णिट्ठा
सअळ सुराणं वि अन्तरो अप्पाणो ।
सअळ फलाण पसूई
सअल जणाणं समो खु णअसच्च तुमम् ।। [००२.००२०] [०००४९]

इअ सव्वाण समाणो
सच्च ठिओ दाससच्च सइ परिपुण्णो ।
किह वहसि पक्खवाअं
पण्डव पमुहेसु पेसणं वि सहन्तो ।। [००२.००२१] [०००५०]

विसमम्मि कम्म मग्गे
विपरि खलन्ताण वीहलिअ करणाणम् ।
णाह णिहिलाण अण्णो
णत्थि तुमाहि णअसच्च हत्थालम्बो ।। [००२.००२२] [०००५१]

णाणस्स को अविसओ
अच्चुअ कलुणाअ तुज्झ को दूरठिओ ।
सत्तीअ को अइभरो
ता खु उवाओ तुमं चिअ सअं सिद्धो ।। [००२.००२३] [०००५२]

संकप्प कण्ण हारो
किङ्कर सच्च भवसाअरे अइगाहिरे ।
अणहो तुमं खु पोओ
अप्पाण किवा समीरणेण पउत्तो ।। [००२.००२४] [०००५३]

अच्चुअ ण दन्ति मोक्खं
ईसर भावेण भाविआ इअर सुरा ।
रत्तिं परिवट्टेउं
लक्खं आलेक्ख दिणअराण वि ण खमम् ।। [००२.००२५] [०००५४]

अमिअ रस साअरस्स व
अहिन्दउर णाह णिम्मल महग्घाइम् ।
तीरन्ति ण विगणेउं
अणण्ण सुळहाइ तुज्झ गुण रअणाइम् ।। [००२.००२६] [०००५५]

भूसिअ सुइ सीमन्तो
भुअइन्द उरेस सव्वगुण सीमन्तो ।
खविअ तिसा मळ मोहो
मुणीण हिअएसु फुरसि सामळ मोहो ।। [००२.००२७] [०००५६]

सुह लक्खण सिरिवच्छो
सोहसि णिम्मुत्त विरह खण सिरिवच्छो ।
रण देवण सविहगओ
उद्धण गलुल णइ तीर वण सविह गओ ।। [००२.००२८] [०००५७]

अकुमार जोव्वण ठिअं
अहिन्दउरणाह अहिमअं अणुरूवम् ।
णिच्चं सहाव सिद्धं
सुव्वइ सूरि महिअं सुहं तुह रूवम् ।। [००२.००२९] [०००५८]

तिउणं तस्स विआरा
अच्चुअ पुरिसोत्ति आअम गणिज्जन्ता ।
अत्था तुह खु समत्ता
परम्मि रूपम्मि भूसणत्थ सरूवा ।। [००२.००३०] [०००५९]

णिन्ति तुमाओ अच्चुअ
णिक्खविअ विवक्ख णिट्ठुर परक्कमणा ।
संठविअ परम धम्मा
साहु परित्ताण सप्फला ओआरा ।। [००२.००३१] [०००६०]

हरि मणि सरिच्छ णिअ रुइ -
हरिआअन्त भुअइन्द वुरपेरन्तो ।
काले दास जणाणं
कण्ह घणो होसि दिण्ण कालुण्ण रसो ।। [००२.००३२] [०००६१]

गलुल णइ कच्छरण्णे
लक्खिवज्जसि लच्छि महि करेणु मणहरो ।
दीसन्त बहुळदाणो
दिसा गइन्दोव्व खुडिअ दणुइन्द दुमो ।। [००२.००३३] [०००६२]

मुहचन्द म०ळि दिणअर -
मज्झ ठिओ तुज्झ चिहुर भारन्धारो ।
अघडिअ घडणा सत्तिं
सच्चं ठावेइ दास सच्च समग्गम् ।। [००२.००३४] [०००६३]

परिहसिअ पुण्ण चन्दं
पदुम सरिच्छप्पसण्ण लोअण जुअळम् ।
संकप्पिअ दुरिआइ वि
संहरिअं हरइ दास सच्च तुह मुहम् ।। [००२.००३५] [०००६४]

माहप्पं तुह महिअं
मङ्गळिअं तुळसि कोत्थुहप्पमुहाणम् ।
अच्चुअ ठिर वणमालं
वच्छं दंसेइ लच्छि लक्खण सुहअम् ।। [००२.००३६] [०००६५]

णिव्विसइ णिन्ततावो
देवअणो देवणाअअ विहिप्पमुहो ।
सीअळ सन्द पउत्तं
छाहिं तुह विउळ बाहु कप्प दुमाणम् ।। [००२.००३७] [०००६६]

संकप्प चन्द खोहिअ -
तिउणोअहि विउळ बुब्बुअप्पअरेहिम् ।
बम्हण्डेहि वि भरिअं
किङ्कर सच्च तुह कीस णु किसं उअरम् ।। [००२.००३८] [०००६७]

णाहि रुहं तुह णळिणं
भुअईसर णअर णाह सोहइ सुहअम् ।
मज्झ ठिअ बम्ह भमरं
वच्छासण लच्छि पाअ वीढ सरिच्छम् ।। [००२.००३९] [०००६८]

दिढ पीडिअ महु कइढव
सोणिअ पडल परिपाडलम्बर घडिआ ।
राअइ अच्चुअ मुहला
रइणाह गइन्द सिङ्कला तुह रसणा ।। [००२.००४०] [०००६९]

दासाण सच्च दीसइ
दाणव वीराण दीह णिद्दा सअणम् ।
तुह उअरट्ठिअ तिहुवण -
पासाअक्खम्भ सच्छअं ऊरुजुअम् ।। [००२.००४१] [०००७०]

जाणु मणि दप्पणेण अ
जङ्घा मरगअ कळाइआए अ धणिआ ।
अच्चुअ ण मुअइ कन्ती
लच्छी व सरोअ लञ्छणे तुह चलणे ।। [००२.००४२] [०००७१]

सुइ सीमन्त पसूणं
सोहइ णअसच्च तुज्झ सव्व सरण्णम् ।
कमण खण जणिअ सुर णई -
पसमिअ तेल्लोक्क पाअअं पअ पदुमम् ।। [००२.००४३] [०००७२]

इअ तिहुवणेक्क मूळं
आसादेन्ति अणहा अमिअसाउरसम् ।
ओसहि महिहर पासे
उइअं तुं ओसहिं व दास रुआणम् ।। [००२.००४४] [०००७३]

सिद्धञ्जणं व सामं
तुज्झ तणुं णिअ विलोअणेसु खिवन्ता ।
अच्चुअ लच्छि णिवासं
णिच्च णिऊढं णिहिं व पेच्छन्ति तुमम् ।। [००२.००४५] [०००७४]

विहडिअ णिबिडन्धारो
घडन्त जोई तिलोअ एक्क गह वई ।
दिट्ठि गओ जाण तुमं
णमन्त सच्च ण हु ताण मोह तिआमा ।। [००२.००४६] [०००७५]

विसअ रसम्मि विरत्ता
विआर जणणेहि वि ण हु विकीरन्ता ।
जीवन्त मुक्क सरिसा
अच्चुअ दीसन्ति पावणा तुह भत्ता ।। [००२.००४७] [०००७६]

गन्धव्व णअर सिमिणअ -
सारिच्छाणं सिरीण वण सरिआणम् ।
ण सुमरइ तुम्ह गहिओ
सरणागअ सच्च सइमओ जीवगओ ।। [००२.००४८] [०००७७]

ण महेन्ति णाणवन्ता
तरङ्ग डिण्डीर बुब्बुअ सरिच्छाइम् ।
विहि पमुहाण पआइं
घणकन्दळि कन्द कअळि खम्भ समाइम् ।। [००२.००४९] [०००७८]

पुळइअ सपर सहावा
पुरिसा घेत्तूण सामिणो तुह सीळम् ।
णाह णअसच्च सघिणा
ण मुअन्ति कहं वि सव्व जण सोहद्दम् ।। [००२.००५०] [०००७९]

माण मएसा मच्छर -
डम्भासूआ भआमरिस लोह मुहा ।
दीसन्ति ण मोहसुआ
दोसा दासाण सच्च तुह भत्ताणम् ।। [००२.००५१] [०००८०]

जाण मई इअर मुही
काळो सअळो वि ताण कलि वित्थारो ।
जे तुह पअम्मि पवणा
णत्थि कली णाअवइ णअर वए ताणम् ।। [००२.००५२] [०००८१]

अच्चासण्ण विणासा
अच्चुअ पेच्छन्ति तावए भत्तजणे ।
मोक्ख रुईण सुमग्गे
मूढा दिअहअर मण्डलम्मि व छिद्दम् ।। [००२.००५३] [०००८२]

णितुडिअ दुम्माण घणा
णिम्मल गुण घडिअ तारआ पब्भारा ।
भासन्त भत्ति जोण्हा
णअसच्च फुरन्ति णह णिहा तुह भत्ता ।। [००२.००५४] [०००८३]

ण हु जम विसअम्मि गई
णअसच्च पअम्बुअं तुह पवण्णाणम् ।
खलिआण वि जह जोग्गं
सिक्खा सुद्धन्त किङ्कराण व लहुई ।। [००२.००५५] [०००८४]

कम्म गइदोस दुहिआ
कअन्त भिउडी भुअङ्गि दंसण तत्था ।
अच्चन्ति तुज्ज चलणे
अच्चुअ पब्भठ्ठ वम्मह रसासाआ ।। [००२.००५६] [०००८५]

आलग्गइ तुह चलणे
अच्चुअ विहिणा वि अच्चणा आअरिआ
जा एक्कन्ति पउत्ता
सेसं व सअं सिरेण पडिगेण्हसि तम् ।। [००२.००५७] [०००८६]

तुह मुह जोण्हा दाविअ -
माणस ससिअन्त पवह संणिह बाहे ।
अच्चुअ ण मुअसि भत्ते
कळम्ब गोळ णिह कण्टअन्त णिअङ्गे ।। [००२.००५८] [०००८७]

सव्वेसु वि णिव्वेरा
सरणागअसच्च गहिअ सासअ धम्मा ।
गअसङ्का तुह भत्ता
जन्ति तुमं एव्व दुळ्ळहं इअरेहिम् ।। [००२.००५९] [०००८८]

अहिवइ णअरिन्द तुमं
आसण्णं वि गअणं व सइ दुग्गेज्झम्
विसएसु विलग्गन्ता
तूरन्ता वि ण लहन्ति डोळन्त मणा ।। [००२.००६०] [०००८९]

भत्ता तावअ सेवा -
रस भरिआ सअल रक्खणोसुअ रुइणा ।
करणाइ धरन्ति चिरं
कङ्खिअ मोक्खा वि अच्चुअ तुए ठविआ ।। [००२.००६१] [०००९०]

ठिरगुण गिरि जणिएहिं
सन्तारेसि णअसच्च णिअ भत्तेहिम् ।
जम्म परिवाडि जलहिं
जङ्गम ठिर सेउ दंसणिज्जेहि जणे ।। [००२.००६२] [०००९१]

पसमिअ भवन्तर भआ
पत्तं पत्तं हिअं ति परिपेच्चन्ता ।
भावेन्ति तुज्झ भत्ता
पिआइहिं व णअसच्च पच्चिम दिअहम् ।। [००२.००६३] [०००९२]

पअड तिमिरम्मि भुवणे
पत्त पडिठ्ठाविअ परम णाण पईवा ।
णिज्जन्ति अच्चुअ तुए
णिअं पअं सइ सअं पहं कअ कज्जा ।। [००२.००६४] [०००९३]

दिढ तिव्व भत्ति णअणा
परिपेच्छन्ता अहिन्दउरणाह तुमम् ।
पत्ता तुह साउज्जं
पन्ति पूरेन्ति पण्णइन्द मुहाणम् ।। [००२.००६५] [०००९४]

सण्णअ सुळहं अच्चुअ
समाहि सोवाण कम विळम्ब विमुहिआ ।
सरणं गन्तूण तुमं
मुत्ता मुउउन्द खत्तबन्धुप्पमुहा ।। [००२.००६६] [०००९५]

देवाण पसु समाणो
जन्तू गन्तूण देवणाह तुह पअम् ।
तेहिं चिअ सव्वेहिं
संसरमाणेहि होइ सइ दिण्ण बळी ।। [००२.००६७] [०००९६]

मोहन्धार महण्णव -
मुच्छिअ माआ महा रअणि पच्चूहो ।
अच्चुअ तुज्ज कडक्खो
विमुत्ति पत्थाण पुडम परिअर बन्धो ।। [००२.००६८] [०००९७]

मोक्ख सुह रुक्ख मूळं
मोह जराउर महारसाअण पवरम् ।
सअल कुसलेक्क खेत्तं
किङ्कर सच्च तुह कित्तणं अमिअ णिहम् ।। [००२.००६९] [०००९८]

णत्थि अहिक्कम णासो
विच्छेअम्मि वि ण पच्चवाअ पसङ्गो ।
सप्पा वि तुह सपज्जा
रक्खइ अच्चुअ महत्तरादु भआदो ।। [००२.००७०] [०००९९]

अपसाए अपसण्णा
तुज्झ पसाअम्मि दाससच्च पसण्णा ।
आरज्झा होन्ति परे
किं तेहि पसङ्ग लम्भिअ पहावेहिम् ।। [००२.००७१] [००१००]

इअर तिअसा पसण्णा
किङ्कर सच्च मह किं णु काहिन्ति हिअम् ।
णीहार घण सएहिं
ण हु पूरिज्जइ कहं वि चाअअ तिण्हा ।। [००२.००७२] [००१०१]

अणुगअ सुह मिअ तिण्हा
अच्चुअ वीसमइ तुज्झ मामअ तिण्हा ।
पवहेसु पसरिअए
आसिअ पवहन्त घण किवा सरिआए ।। [००२.००७३] [००१०२]

विअल सअलङ्ग विसमे
धम्मे णअसच्च धअणिहे धारेन्तो ।
कन्तार पन्थओ विअ
खळन्त चळणोम्हि काअर विसीरन्तो ।। [००२.००७४] [००१०३]

ठिर धम्म वम्म थइअं
अधम्म पवणाण अग्ग खन्ध पउत्तम् ।
अघडन्त विपडिसारं
अच्चुअ मं हससि णूण लच्छि समक्खम् ।। [००२.००७५] [००१०४]

तरिउं अच्चुअ दुरिअं
इमम्मि देहम्मि एक्क दिअहे वि कअम् ।
काळो अळं ण सअळो
कळुणाए तुज्झ पुण्ण पत्तं म्हि इमो ।। [००२.००७६] [००१०५]

अच्चुअ तुज्झ गुणाणं मह
दोसाणं वि णत्थि कुत्थ वि गणणा ।
तह वि जओ पुढमाणं
अहिअं लीणाण होइ ण हु दोब्बळ्ळम् ।। [००२.००७७] [००१०६]

रत्तिं दिअहं अच्चुअ
तुडिअ पडन्ताइ आउ दुम खण्डाइम् ।
दठ्ठूण वि दरिअमणं
बालं एण्हिं वि भरसु मं अपमत्तो ।। [००२.००७८] [००१०७]

णीसास सङ्कणिज्जे
देहे पडळन्त सळिल बिन्दु सरिच्छे ।
मुणसि णअसच्च तुं मं
जरन्त करणे वि दीह जोव्वण तिण्हम् ।। [००२.००७९] [००१०८]

अमुणिअ णिअ काअव्वं
तिळग्ग मुणिएसु मं वि पडिऊळ गइम् ।
इअ णिअ सहाव विळिअं
हाउं दासाण सच्च णहु तुह जुत्तम् ।। [००२.००८०] [००१०९]

कोहं किं करणिज्जं
परिहरणिज्जं वि किंति जाणसि सव्वम् ।
तीरसि अ तं हिअं मह
तिअसेसर कुणसु णिअ हिअअ णिक्खित्तम् ।। [००२.००८१] [००११०]

एण्हिं उवरिं वि इमो
गुण गहिओ दारुपुत्तओ व परवसो ।
तस्स वि मह तिअसेसर
तीसु वि करणेसु होसु सुह सङ्कप्पो ।। [००२.००८२] [००१११]

णिअ कम्म णिअळ जुअळं
अच्चुअ काऊण मह पिअप्पिअ वग्गे ।
काहे घोर कळेवर -
काराघर कुहर णिग्गअं काहिसि मम् ।। [००२.००८३] [००११२]

हद्दे तुमम्मि कइआ
विस्समिअं बम्ह धमणि मग्ग णिहिन्तम् ।
दिणअर दिण्णग्ग करं
अच्चुअ दच्छिहिसि दइअ डिम्भं विअ मम् ।। [००२.००८४] [००११३]

काहे अमाणवन्ता
अग्गि मुहा आइवाहिअ तुह पुरिसा ।
अइळङ्घेहिन्ति मिमं
अच्चुअ तम गहण तिउण मरुकन्तारम् ।। [००२.००८५] [००११४]

लङ्घिअ विरआ सरिअं
लम्भिअ सइ सुद्ध सत्तमअ सोम्मतणुम् ।
कअ बम्हालङ्कारं
काहिसि णअसच्च किङ्करं काहे मम् ।। [००२.००८६] [००११५]

संसार साअराओ
उक्खित्तं तिअस णाह फुरिआळोअम् ।
काहे काहिसि हिअए
कोत्थुह मणि दप्पणं व लच्छि पुळइअम् ।। [००२.००८७] [००११६]

काहे तुह पअ पउमे
होहिमि णअसच्च केळि कन्त तिहुवणे ।
मअण रिउ मउड मण्डण
सुरसरिआ ओत्त सूइअ महुप्पवहे ।। [००२.००८८] [००११७]

उवणिसआसिर कुसुमं
उत्तंसेऊण तुह पअम्बुअ जुअळम् ।
दइओ होहिमि कइआ
दासो दासाण सच्च सूरि सरिच्छो ।। [००२.००८९] [००११८]

अउणो णिउत्ति जोग्गं
ओआर विहार सहअरत्तण धणिअम् ।
अप्प समभोअ मेत्तं
अणुहोहिसि देवणाह काहे णु मिमम् ।। [००२.००९०] [००११९]

इअ फुड मणोरहं मं
एआरिस वअण मेत्त सारं वसअम् ।
कुणसु णिअ गुण गणेहिं
सच्चं दासाण सच्च सइ सच्छन्दो ।। [००२.००९१] [००१२०]

बाळ पवगोव्व तरळो
मारुइ जाइत्ति साअरं तरिउ मणो ।
पत्थेमि तुमं अच्चुअ
कञ्चिअ पअ पउम खमसु मह कावेअम् ।। [००२.००९२] [००१२१]

अच्चुअ विसअक्कन्तं
भवण्णवावत्त भमिणिबुड्डुज्जन्तम् ।
जणणी थणंधअं विअ मं
उद्धरिऊण सेवसु सअं पच्छम् ।। [००२.००९३] [००१२२]

कम्म मअ घम्म तविअं
सुह मिअ तिण्हाहि काहि वि अतण्णाअम् ।
कारेसु णिव्वुअं मं
करआ सिसिरेहि अच्चुअ कडक्खेहिम् ।। [००२.००९४] [००१२३]

तुह चिन्तण विमुहाणं
दिट्ठि विसाणं व दंसणाउ मोएन्तो ।
अमिअ मुहाणं विअ मं
अच्चुअ भत्ताण णेसु णअणासारम् ।। [००२.००९५] [००१२४]

विस मिळिअ महु णिहेसु अ
तण पडिमेसु अ पडिग्गहेसु पळुठिअम् ।
अमिअ णिहिम्मि व अच्चुअ
ठावेसु तुमम्मि णिम्ममं मह हिअअम् ।। [००२.००९६] [००१२५]

णिच्चं इमम्मि किवणे
णिक्खिव णमन्त सच्च णिहि सारिच्छे ।
पवहन्त णह पहाझर -
पसमिअ पणमन्त संजरे तुह चलणे ।। [००२.००९७] [००१२६]

सरणागओत्ति जणिए
जणवाए वि जइ अच्चुअ ण रक्खसि मम् ।
होज्ज खु साअर घोसो
साअर पुळिणम्मि तारिसं तुह वअणम् ।। [००२.००९८] [००१२७]

णिक्कित्तोम्हि अ अगई
णिवुणेहि तुमम्मि णाह कारुणिएहिम् ।
ते तुह दट्ठूण पिए
णिहुअं णअसच्च भरसु अप्पाण भरम् ।। [००२.००९९] [००१२८]

णअसच्च पक्कणाणिअ -
गळिअ किलाअ भमणिअ कुमारं व णिवो ।
होज्जन्त जोव्वण वहुं
वरोव्व मं लहसु मन्तिअण विण्णविअम् ।। [००२.०१००] [००१२९]

इअ कइ तक्किअ केसरि -
वेअन्ताअरिअ वेङ्कडेस विरइअम् ।
सुहअं अच्चुअ सअअं
सहिअअ हिअएसु सोहउ समग्गगुणम् ।। [००२.०१०१] [००१३०]

कवितार्किकसिंहाय कल्याणगुणशालिने ।
श्रीमते वेङ्कटेशाय वेदान्तगुरवे नमः ।।

🙏 श्रीमते श्रीनिगमान्त महादेशिकाय नमः 🙏